

आशासकवाचि

1900

I

ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 म ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 जयमहासिद्धि ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 कालिमहासिद्धि ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

श्रीगणेशायनमः जपमन्त्र ॐ ह्रीं कृष्णवाससि सिंहवदनि
महावदनि महाभैरवी सर्वापरकर्मघंसिनि परमन्त्र देदिनि सर्वभूत
दमनि सर्वभूतान् वन्धवन्ध सर्वविघ्नां हृदि २ सर्वव्याधिं नि छत्तय २ स
र्वदुःखं भक्ष २ ज्वाला जिह्वे कराल दंष्ट्रे प्रत्नङ्गिरे ह्रीं नमोस्तुते स्वाहा
मालामन्त्र ॐ ह्रीं नमो कृष्णवाससे शतसहस्रकैटि सिंहासने सहस्र

वदने अष्टादश भुजे महावले महाबल पराक्रमे अजिते अपराजिते प्रत्य
ङ्गिरे प्रत्यङ्गिरे सैन्य पराक्रमे विध्वंसिनि परमंत्रो दहति परमंत्रोत्कृष्टादी
नि सर्वभूतदमनि के सोऽप्येहो कौमा सर्वोपद्रवेभ्य सर्वापदेभ्योऽस
२ इहोऽसौ सर्वदेवतानां मुखं स्तम्भय २ विघ्नं हिन्यि २ सर्वदुष्टा
न् भक्षय २ वक्त्रावय ज्वालाजिह्वे करालवदने सर्वयन्त्राणि स्फो

टय २ भृशज्वाल् श्रोत्रय २ प्रत्यसुर समुद्रां विद्रावय २ शरीद्रमूर्तय



















श्रीगणेशायनम श्रीरामचन्द्र श्रीनारायणाय.

सुखमालाभाविनिहृष्टिनिधिलयकानिहितननूविनवतांसांसराजनी
 नमैतिहाउयनिधुनिनकयालविकटनावधोननूयकटकटायमा
 नदभनयकिंयकटकदंष्ट्रायकननवदनानालयागयदहृमितया
 गिनारीनवाठाकिनाभाकिनायामुखभाकिरुतवतालयेनयिभाः
 यविनायकस्वदुजसुवदेल्यदानवयदनांकसंगधर्वयुक्तकथा

लकादययालरोननकयालुवदूकासिद्धखननादिनवनिमहायम
 समाजतासूनसूनसुनिधिगुलखमरुटकाखद्वानयनिधगदात्र
 कयुसुखीतामनयामयदिनरिहियालयनमुभाकिवदयाभाः
 नैकिगर्भखेनागगिवायातादमालामुखगुधुनिलनकलकलुवनार
 ययायुनकाकागुजदलुवमविमसहादवद्वद्ववायवानूषक

गोङ्गोऽं निर्वविष्णुयसिहासनाधिपूयदंतद्वयात्पारदतात्मा
 दावगयविनामिनिवेकातिमातिममयातकाययातकातिमातका
 महायातकातिमय २ यक्षमय २ नागय २ विनागय २ ययय य ००
 हन २ विडावय २ विध्वंय २ रसाकू २ निखिलइतिविमावि
 तिदवदविमहादविमहाधात्रमहावाममहाजटाहृटसात्रहानव

द्विमातलकावित्वनाययदं वाहाहृष्टं मुहृष्टं खोपयाथोदां
 मुधाअवृष्टं दृष्टं दांम ६०० हायलुयागश्चनिममगकृतव
 सिंह २ गजायय २ रक्ष २ रक्षय २ नागय २ उच्चाटय २
 हन २ ऊट २ क्षिप्रि २ यय २ मथ २ विडावय २ मानय
 २ दम २ निवानय २ लुहयलुहय २०० मद्यय २ (गामय

२ यातय २ खादय २ हन २ धम २ उद्वासय २ मादय २ क्षारय
२ द्विधि २ शासय २ फट २ उन्मूलय २ दहन २ ह्लाटय २ विक्षाः
हय २ पुनः पुनः १००० हिलि २ किलि २ चल २ बालय २ चिकय
२ सन २ उलिष्ठ २ यथ २ दक्षिणकालि, रुद्रकालि, भग्नकालि,
कालकालि, युष्ककालि, कामकालकालि, धनकालि, सिद्धिकालि,

चलुकालि, महालक्ष्मि, मातंगि, नागमातंगि, सुवतन्त्रि, वागीश्वरि,
उ ११०० द्विष्टवाधुलि, निर्यक्षित, मद्रुद्र, रत्नवि, वाधुलिः
नि, श्रुश्रुट, शागवति, विष्ट, त्वनित, भूसिति, वनद्रु, जय
द्रु, वद्रुयमानि, सिद्धिलक्ष्मि, नाथलक्ष्मि, जयलक्ष्मि, यथाव
ति, कालसंकर्षि, कृद्धि, श्रुनय, कृद्धि, धनदगवतन्त्रि,

किनातिवालियूनरंनविषियूनसूदनिनालसगत्वतिचिन्नमल्ल
 चिन्ननासनालयताकवधुय(लव(लुन्धनिवाम(लुवगलहनसि
 द्वरुकात्रिणि, मृकहात्रिणि, नाकलि, लव(लन्धनि, धाउठात्रिणि
 जय, विजय, मृधान, मृन्धति, सावित्रि, गायत्रि, विश्वनृय, वरु
 नृय, विकट १३०० नृय, मृन्धति, महामायावृय, महाविद्य,

महाविद्य, रगमालिनि, रगयिथ, रगकिर, रगनृयिनि, रग
 वति, महाकामावृय, महाकालयिथ, यवधुकलवन, विकटाक
 टदंडावृयिनि, वामकणि, लालजिह्व, महप्रद्ययकनवन
 (ल महप्रद्ययनवमहामां १४०० सनृधिनयिथ, मदविद्य
 लुितलावन, महामात्रि, खयनरुह, (मालितामति, महाभीख,

समाकलनसहस्रतन्त्रमोचनगान **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ**
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ**

१७
 २४
 ३२

३१
 ३४

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ**

३१

१३००)३

२५

[illegible]

विश्वकर्मि विश्वयामिनि विश्वरुननि विश्वधनि विश्वधामनि विश्व
धसंहानिनि कलाकलसमूहून यन्नमानन्द गतसामगस्य यति
मिनि सर्वदृष्टान्तवृत्तय २ वृत्तययवृत्तयय १६०० हस्त २
करु २ कन २ मोन २ रिधि २ द्विधि २ दह २ आनय २ मूय
यवगय २ किनि २ किनि २ कनू २ नूवू २ किनि २ क० २ य

२ विमलत्रय २ यूनय २ यद्वय २ अतकम्यय २ विमल २ क
 याकटाक्षमयिमंय २ दिग २ वि २२०० दिग २ यूनय २ यामय
 २ युय २ नकसमूडवासिनिचक्षालिगयावकाक्षालजालजटिला
 क्षमूक्षक्षविष्णुलाकिगभभनकनवा, माउग, दादगभक्षदल, सन
 सिनूर, वद्वयभासन, वक्र, विक्, गिवादि, ययसिंहाकाटि, विव

दल

२३०० गकाटि, देहदानवाविहाना, गलिनासित
 यरावदानिद्यवधू, विभाग, विवि(क्षत्यातवालुयदायसगनाजवा
 नत्रियदावागिसमनसखासुयातकगनि, गदल, सनर, महिष,
 वनाह, रुद्रव, नासर, मार्ग, वकादिविपिनजलु, युजंगमसाग
 नावरुदस्य २४०० दुर्गगीनिदान(मथ)भूलायसाधनाग

महामात्री ४ स्वयं गृह्यातां विमोच विमोचिना न विमोच सद्या न कंद
 स्वयं च सर्व स्वहान क माया विन्यासा यहा निवृ मस्तन स्वहया लं काल
 हंका न कंग न कंद ६ अथ न न उ द्वा सय २ महो क (जन वि २१००
 घटय २ रयं क न गं ख न व ल उ द्वा लय २ को धा व (जन धन य २
 विधन य २ वजा धि क क ० न त न च य द्या न न ल ० य २ विला

०य २ मुखियदा नल युद २ वाननालिका यानूद २ ख (मन रंज २
 विष्णु लन कन कन २३०० चकल विष्णु मय २ द (लु न म मय
 २ यु म मय २ चकल कि जि २ कन न रु नू २ गद या या थ य २ ना
 म न ल या ल न य नि त्या ऊ य २ रि च्छि या ल न कि चि २ न क्का ख लु
 य २ वि ख लु य वि ख लु य २१०० का ट का टा य मा न न स ल या च

चय २ मूषलनयिष २ नागया (गतवद्यय २ यन्त्रुनाक्षिय २
 यक्षिय २ यासनलक २ यलकय २ कननममालियाटय २ वि
 याटय २ यदि (गततिल (मयधम २ मूयायुठनउडायय २ क
 लयाह्याटय २ अह्याटय २ वध २ वध २ माहय २ विमाहः
 य २ मूचय २ मूचयय २ दादहाकाटिवक्का (क्षदनवहिरुन

५५

निन ४ किनाटकाटिमलिमय (गरव ननिचुष्टयमल २६०० कम
 लयगलखवल, रुचन, वानिचन, यातालवननादसावनानकण
 किनिवहनदित्तिलाकावदित्तसूय कलययनिवानं मांनद २
 याहि २ यालय २ यावय २ वक्षय २ आनदय २ आह्लादय २ सा
 धय २ यसाधय २ दनय २ यदनय २ हयय २ विहयय २ ह

११० ओं ओं ओं ओं ओं ओं ओं ओं ३६०० ओं ओं ओं ओं ओं

23

[illegible]

12

I	2061
RIL	K. H. H.

1111111111

[illegible]

40

८५०

[illegible]

9

43

三

[illegible]

५६

[illegible]

113

Handwritten musical notation on a five-line staff, featuring red and black ink. The notation consists of a series of vertical strokes with horizontal lines, resembling a stylized script or shorthand. The staff is divided into two sections by a red line.

Handwritten musical notation on a five-line staff, featuring red and black ink. The notation consists of a series of vertical strokes with horizontal lines, resembling a stylized script or shorthand. The staff is divided into two sections by a red line.

This image shows a manuscript page from the 'Sri Yantra' section of the 'Sri Yantra' text. The page is filled with a series of vertical lines and stylized characters, likely representing a form of Sanskrit or a specific dialect. The characters are written in black and red ink, and the lines are arranged in a grid-like pattern. The paper is aged and yellowed, with some visible wear and tear. The overall appearance is that of a historical document, possibly a religious or philosophical text.

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

४३ ४३ ४ल ४ल ४३ ४३ ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल
 ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल
 ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४ल ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु
 ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु
 ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु
 ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु ४रु

三

32

[illegible]

20

20

२०

२१

[illegible][illegible]

नूयध्मात्रिहिसर्च १३०० मन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चतडा
त्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना
सर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्नात्मिकसर्चयन्ना

ययार्चतयासाधनागसोयलुकाकंजवेभदवत्वाइतामसः
तमिन्नयस्वायनमातंगजाह्वीकाकादतवहसहस्रगधर्वयिग
वाइमन्ननाहसः(गो)नवाह्वीकाहमनगभवन्नानुधुवक्रव
क्रानिगंयुक्रकाकालकूटवेतालसाव ११०० ताद्वेतालना
जसवेनायकास्त्राह्वीमथग(लो)ह्यागदानमोहन्नकोआलुया

मकामाकनगलतलाहनसांमाहनवलातिवलातेमालतह
यवततोलायसामनमान(ह)आटतरेनववामूछा.ताकि
ना.यागिना.नानसिंह.वानाहसिंह.भाईल.माहिम.रुनव
॥५००॥ याहुयतायूनयिंकाटिमहासुसंधानकानिहिरु
रुद्र ॥५२२८॥ तमामहामायद्रुं येलाकयालकानि

सिद्धां सिद्धिं सिद्धिं ॥१॥ धनय ॥ युधधनधन्यसुवहुन
त्रहिनल्लदानकदूधमहानिधिसिद्धाददि ॥२॥ महा(ग)निस्मृति
महामधाय(ग)सुनायसोरायसुवदीयसमसककमकानिसिद्धि
वामूछयूनय ॥३॥ सधमतानथानसुवसम्यदावध ॥४॥ वमय
य ॥ यातय ॥ निधिंदद ॥ मूधधनय ॥ ४॥ सु

[illegible]

वलुवामू(६) **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** विवधानमहामहान्मति **ॐ** **ॐ** गु ॐ
 धनि **ॐ** यननिर्वाहवक्त्रयिहि **ॐ** **ॐ** सिद्धिकर्तालिश्रयायि
 तिनवयंनवकतिलयथागादनाविहिकलासहस्रनिवासिनि
 रं रं रं **ॐ** **ॐ** मूव(६) धनियकलयननिर्वाहद **ॐ** **ॐ** **ॐ**
 ॥ ८२० ॥ **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** वलुवामू(६) **ॐ** **ॐ** **ॐ** **ॐ** विवधान

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४६ ॥

[illegible][illegible]

ॐ ॐ ॐ कनालि ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ साहा ॥ ॐ ॐ सिद्धि ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ कनालि ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ साहा ॥

ॐ ॐ सिद्धि ॐ ॐ ॐ क ना
हा ॥ ॐ ॐ ॐ सिद्धि ॐ ॐ ॐ क
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ साहा ॥ ॐ ॐ ॐ सिद्धि ॐ ॐ ॐ क ना

लिखुं शुभं सुखं उँ साहा ॥ उँ सु सिद्धि शुभं सु कयालि खु
शुभं सु खं उँ साहा ॥ उँ सु सिद्धि

ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥

